









# WELCOME UMINIED CLASSES

Like Video and Subscribe our channel















(यंगा/सर्वनाम/विशेषण + श्रय्य > कर्त्रवाच्यक राष्ट्रित प्रत्यय ii) > भाववाचक त्रित्र प्रत्यय ii)) संबंधवाच्यक तिश्वति प्रत्यय 19) अन्ता / हीनव) नरु / लघुवान्य त. प्र V) अपत्यवाच्य / संतानवोध्य V) स्त्रीवान्य तिहुत प्रत्यय



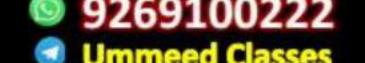






1) कर्त्वाचक तदित प्रत्यय ३- अव संना /सर्वनाम/विशेषण के अंत में प्रत्यय जोड़ दिया जाए ऑर कुतरिश बोध कराए, कर्वचाचक तिहात प्रत्यम कहलाताडी उदा > सोना + आना = सुनार (क्रो) लोहा + आर = लुहार दया + आलु = दयाल あまり十分できまるかかりと





2) आववानक राष्ट्रित प्रत्थय :- जब संज्ञा/सर्वनाम/विशेषण के अंत में प्रत्थय जोड़ने पर आव को बोध्य फराए तो आववानक राष्ट्रित प्रत्थय कहलाता है।

उदा = सन्दर् + ता = सुद्दता मीठा + आई = मिठाई वच्चा + पन = वचपन मम + ल = ममत्व





3) सैबंधवाचिक तिक्षित प्रत्यय :- अब संज्ञा/सर्वनाम/विशेषण के साथ प्रत्यय का प्रयोग किया जाए और वह सैबंध का बोध्य कुराए, सैबंधवाचक तिक्षित प्रत्यय कुरूपण

341 नाना + एरा = ननेरा क्ट + इन्छ = दे हिन मामा + एरा = ममेरा क्षेरिक व्यारीरिक





4) अनला /हीनता/लघुनान्य तिद्धित प्रत्यय १-जब संज्ञा/ सर्वनाम/बिजोषण के साथ प्रत्यय प्रयुक्त किया जाए और वह संज्ञा के छोटे रूप का बोध कराए।

उदा - डिब्बा - डिबिया लोटा + इमा = सुटिया रस्सा + ई = रस्सी केटोरा +ई = केटोरी



9269100222

5) अपत्य / संतानवेध्यम् तक्ति प्रत्ययः - संज्ञा के साथ प्रत्यय जोडने पर बनी संगान हो बोध ग्राप अपत्य/संलान बाध्य प्रत्यय कहलाला है। उहा > मनु + आ = मानव दनु + अ = दावन पर्वता +ई = पार्वती पंचाल+ई = पांचाली

9269100222

6) स्त्रीपाचम लिहुत प्रत्यय में जब संज्ञा के साथ प्रत्यय जोड़ा जाए और स्त्री जातिका बोध्न कराए, स्त्रीबाचम तिद्वत प्रत्यय कहलाला है।

उदा-> एडार + इन = एडारिन

अध्यापक + इका

माई + इन = नाइन सेठ + आनी = सेठानी पंडित + अइन = पंडिलाइन













